

सरकार बिहार को स्टार्टअप क्षेत्र में अग्रणी बनाएगी

चर्चा में क्यों?

राज्य के उद्योग मंत्री समीर कुमार महासेठ के मुताबकि सरकार **बिहार को स्टार्टअप क्षेत्र में अग्रणी बनाने** के मशिन पर कार्य कर रही है।

मुख्य बंदि:

- **राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस (16 जनवरी)** के अवसर पर अधविशन भवन में बिहार स्टार्टअप अवार्ड्स 2024 कार्यक्रम में मंत्री के अनुसार, जैसे-जैसे स्टार्टअप क्षेत्र बढ़ेगा, बिहार भी बढ़ेगा।
- कार्यक्रम में राज्य में सक्रिय कई स्टार्टअप्स को पुरस्कार प्रदान किये गए, जिनमें शामिल हैं:
- मेडविाइजर प्राइवेट लिमिटेड को वर्ष का सर्वश्रेष्ठ स्टार्टअप का पुरस्कार मिला, वेद प्रभा एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड इस श्रेणी में प्रथम रनर-अप और बीरो पावर प्राइवेट लिमिटेड दूसरे रनर-अप के रूप में उभरी।
- महिला नेतृत्व, कृषि, सूचना प्रौद्योगिकी, ई-कॉमर्स, इलेक्ट्रिक वाहन और शैक्षणिक प्रौद्योगिकी सहति वभिन्न श्रेणियों में भी पुरस्कार दिये गए।
- बिहार स्टार्टअप नीति के तहत उद्यमियों को:
 - नवोदति उद्यमियों को दस वर्ष की अवधि के लिये **10 लाख रुपए तक की ब्याज मुक्त प्रारंभिक नधि प्रदान** की जाती है।
 - महिलाओं द्वारा शुरू किये गए स्टार्टअप के लिये **सीड फंडिंग के रूप में 5% अधिक राशि** आवंटति की जाती है और अनुसूचति जाति/अनुसूचति जनजाति तथा अलग-अलग श्रेणी में दवियांग व्यक्तियों के नेतृत्व वाले स्टार्टअप के लिये **15% अधिक राशि** आवंटति की जाती है।
 - त्वरण कार्यक्रमों में भाग लेने वाले व्यक्तियों को **3 लाख रुपए तक का अनुदान** दिया जाता है।
 - यदि पंजीकृत संस्थाओं और एंजेल नविशकों से नविश प्राप्त होता है, तो **50 लाख रुपए तक का मैचगि लोन** भी प्रदान किया जाता है।

राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस

- **भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम** की साराहना करने और उसे बढ़ावा देने के लिये **प्रत्येक वर्ष 16 जनवरी** को राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस मनाया जाता है।
- **स्टार्टअप इंडिया पहल** 16 जनवरी, 2016 को नवाचार को बढ़ावा देने, स्टार्टअप का समर्थन करने और नविश को प्रोत्साहति करने के दृष्टिकोण से शुरू की गई थी।
- इसमें **सीड फंड योजना** तथा **क्रेडिटि गारंटी योजना** जैसी पहल शामिल हैं, जो स्टार्टअप को और सहायता प्रदान करती हैं।
- **31 मई, 2023 तक भारत वैश्विक स्तर पर स्टार्टअप्स के लिये तीसरे सबसे बड़े पारस्थितिकी तंत्र के रूप में उभरा है।**
 - भारत मध्यम आय वाली अर्थव्यवस्थाओं के बीच वैज्ञानिक प्रकाशनों की गुणवत्ता और अपने विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता में शीर्ष स्थान के साथ नवाचार गुणवत्ता में दूसरे स्थान पर है।